कला स्नातक कार्यक्रम

सत्रीय कार्य 2025-2026

BPSE - 144: दक्षिण एशिया का परिचय

Faculty of Political Science
SCHOOL OF SOCIAL SCIENCES
INDIRA GANDHI NATIONAL OPEN UNIVERSITY
MAIDAN GARHI, NEW DELHI-68

BPSE - 144: दक्षिण एशिया का परिचय

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

IGNOU में मूल्यांकन दो भागों में होता है: i) सत्रीय कार्य के माध्यम से सतत मूल्यांकन और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परिणाम में, किसी पाठ्यक्रम के सत्रीय कार्य का भारांक 30% होता है, जबकि सत्रांत परीक्षा का भारांक 70% होता है।

आपको तीन अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (TMA) करने होंगे, जिनके कुल अंक 100 हैं और जिनका भारांक 30% है। इस सत्रीय कार्य पुस्तिका में मुख्य पाठ्यक्रम **BPSE - 144: दक्षिण एशिया का परिचय** के लिए तीन TMA दिए गए हैं, जो छह क्रेडिट का पाठ्यक्रम है।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कृपया कार्यक्रम पुस्तिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह महत्वपूर्ण है कि आप सभी TMA प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर प्रत्येक अनुभाग के लिए निर्धारित शब्द सीमा के लगभग भीतर होने चाहिए। ध्यान रखें, सत्रीय कार्य प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन कौशल में सुधार होगा और आप सत्र-समाप्ति परीक्षा के लिए तैयार हो सकेंगे।

जमा करना: सत्रांत परीक्षा में बैठने के लिए पात्र होने हेतु आपको निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी सत्रीय कार्यों को जमा करने होंगे।

सत्र	**सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख**	**सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान**
जुलाई, 2025 सत्र के लिए	**31 मार्च, 2026**	**अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास**
जनवरी, 2026 सत्र के लिए	**30 सितंबर 2026**	

अन्य सभी सत्रीय कार्य की तरह, इसे भी अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को जमा करना होगा।

अध्ययन केंद्र/क्षेत्रीय केंद्र मूल्यांकन के बाद सत्रीय कार्य आपको वापस कर देगा।

हम आपसे अपेक्षा करते हैं कि आप प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सत्रीय कार्य में उल्लिखित प्रत्येक श्रेणी के दिशानिर्देशों के अनुसार दें। निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना आपके लिए सहायक होगा:

1) योजना: सत्रीय कार्य को ध्यानपूर्वक पढ़ें, उन इकाइयों को देखें जिन पर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ बिंदु बनाएं और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित करें।

2) रचना: अपने उत्तर की रूपरेखा तैयार करने से पहले थोड़ा चयनात्मक और विश्लेषणात्मक बनें। अपने परिचय और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें।

सुनिश्चित करें कि आपका उत्तर:

क) तार्किक और सुसंगत हो;

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध हो; और

ग) सही ढंग से लिखा गया हो, जिसमें आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखा गया हो।

3) प्रस्तुति: अपने उत्तर से संतुष्ट होने के बाद, आप जमा करने के लिए अंतिम संस्करण को साफ-सुथरा लिख सकते हैं। सुनिश्चित करें कि उत्तर निर्धारित शब्द सीमा के भीतर हो।

आप सभी को शुभकामनाएँ,

राजनीति विज्ञान संकाय

BPSE - 144: दक्षिण एशिया का परिचय

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड: BPSE-144

सत्रीय कार्य कोड: BPSE-144/ASST/TMA/2025-26

अंक: 100

तीनों सत्रीय कार्यों के सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए और उन्हें एक साथ जमा कीजिए।

सत्रीय कार्य - I

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए।

1. दक्षिण एशिया में आर्थिक सहयोग का विश्लेषण कीजिए। 20
2. दक्षिण एशिया में जातीय संघर्षों का विश्लेषण कीजिए। 20

सत्रीय कार्य - II

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए।

1. दक्षिण एशिया में विविधता और बहुलवाद की व्याख्या कीजिए। 10
2. 2021 से अफगानिस्तान में हुए राजनीतिक घटनाक्रमों का विश्लेषण कीजिए। 10
3. श्रीलंका की राजनीतिक व्यवस्था की प्रमुख चुनौतियों की व्याख्या कीजिए। 10

सत्रीय कार्य – III

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए।

1. पाकिस्तान में इस्लामी उग्रवाद 6
2. भारत-चीन सीमा विवाद 6
3. नेपाल में लोकतंत्र 6
4. बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति 6
5. जलवायु परिवर्तन और प्रवासन 6

1. दक्षिण एशिया में आर्थिक सहयोग का विश्लेषण कीजिए। **20**

उत्तर

दक्षिण एशिया में आर्थिक सहयोग की आवश्यकता बहुत गहरी है, क्योंकि इस क्षेत्र के देशों के बीच भौगोलिक निकटता, ऐतिहासिक संपर्क, साझा नदियाँ, ऊर्जा संसाधन, श्रम बाजार और बड़े उपभोक्ता आधार मौजूद हैं। भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, मालदीव और अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्थाएँ आकार और संरचना में अलग हैं, फिर भी परिवहन, व्यापार, ऊर्जा, पर्यटन, खाद्य सुरक्षा और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में उनकी जरूरतें एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। इसलिए क्षेत्रीय सहयोग केवल व्यापार बढ़ाने का विषय नहीं है; यह विकास की लागत घटाने, रोजगार पैदा करने और राजनीतिक विश्वास बनाने का भी माध्यम है।

संस्थागत आधार और उपलब्धियाँ

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ (सार्क) की स्थापना 1985 में इसी सोच के साथ हुई थी। इसके बाद दक्षिण एशियाई वरीयता व्यापार व्यवस्था (SAPTA) और दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र (SAFTA) जैसे कदम उठाए गए। SAFTA का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच शुल्क कम करना और क्षेत्रीय व्यापार को बढ़ाना था। सार्क विकास कोष, कृषि, गरीबी उन्मूलन, विज्ञान-प्रौद्योगिकी, शिक्षा और आपदा प्रबंधन के कार्यक्रमों ने भी सहयोग के लिए संस्थागत आधार दिया। 2014 के काठमांडू शिखर सम्मेलन ने व्यापार, निवेश, वित्त, ऊर्जा, अवसंरचना और संपर्क को गहरे क्षेत्रीय एकीकरण के प्रमुख क्षेत्र माना था।

व्यापार के अलावा कुछ क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रगति अधिक स्पष्ट दिखाई देती है। भारत-नेपाल और भारत-भूटान के बीच जलविद्युत सहयोग, भारत-बांग्लादेश बिजली व्यापार, सीमापार पारेषण लाइनों तथा पूर्वी दक्षिण एशिया में रेल-सड़क संपर्क ने ऊर्जा और परिवहन सहयोग की संभावनाएँ बढ़ाई हैं। बांग्लादेश, भूटान, भारत और नेपाल के बीच BBIN व्यवस्था ने उप-क्षेत्रीय संपर्क को आगे बढ़ाने का प्रयास किया। समुद्री बंदरगाहों, अंतर्देशीय जलमार्गों और सीमा-चौकियों का बेहतर उपयोग नेपाल और भूटान जैसे स्थलरुद्ध देशों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। डिजिटल कनेक्टिविटी, सीमा-पार भुगतान और ई-कॉमर्स भी छोटे उद्यमों के लिए नए अवसर खोल सकते हैं, क्योंकि सेवा व्यापार में भौतिक सीमा की लागत अपेक्षाकृत कम होती है।

कृषि और खाद्य सुरक्षा भी सहयोग का व्यावहारिक क्षेत्र है। दक्षिण एशिया के देशों में उत्पादन मौसम अलग होने के कारण अनाज, सब्जियों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की क्षेत्रीय आपूर्ति अचानक कमी के समय मूल्य दबाव कम कर सकती है। इसी तरह दवाओं, वैक्सीन, सार्वजनिक स्वास्थ्य और महामारी-प्रबंधन में साझा खरीद, अनुसंधान और आपूर्ति शृंखला क्षेत्र की बड़ी आबादी को लाभ पहुँचा सकती है। पर्यटन में बौद्ध, सूफी, रामायण और हिमालयी सर्किट जैसे साझा मार्ग आय तथा लोगों के बीच संपर्क दोनों बढ़ा सकते हैं।